वतुकम्मा

1.

पाठ का सारांश

त्योहार हमारी संस्कृति का आईना हैं। वतुकम्मा तेलंगाना की संस्कृति को दर्शाता ऐसा ही एक त्योहार है जिसमें बड़े पैमाने पर महिलाओं की भागीदारी रहती है। यह त्योहार नौ दिन तक मनाया जाता है। प्रस्तुत पाठ में अनन्या और पार्वती के वार्तालाप द्वारा इस त्योहार की जानकारी दी गई है।

Summary

Festivals reflects our culture. Vatukamma is the festival, which reflects the culture of Telangana. In this festival large number of women participate. This festival is celebrated for nine days. This lesson gives information about this festival through the conversation of Ananya and Parvati.

2. पढ़ें और उपसर्ग-मूल शब्द को अलग करके लिखें—

·····प्र·····	—	·····दूषित·····	·····प्र·····	—	·····योग·····
·····सु·····	—	·····कन्या·····	·····वि·····	—	·····ज्ञान·····
·····परि·····	—	·····श्रम·····	·····वि·····	—	·····तर्क·····

3. पढ़ें, समझें और उचित विराम चिह्न लगाएँ—

क. थाली में गनुका, कमल, अल्ली आदि फूल सजाते हैं।
ख. क्या फूलों के बहाने से जल प्रदूषित नहीं होगा?
ग. इस पर्व को मनाने में बहुत मज़ा आएगा।
घ. इसे बनाने के बाद क्या करेंगे?

4. पढ़ें और शब्द चुनकर खाली स्थान में लिखें—

क. वतुकम्मा फूलों ···का··· सुंदर ढेर होता है।
ख. वतुकम्मा तेलंगाना संस्कृति ···को··· दर्शानेवाला त्योहार है।
ग. तेलंगाना ···के··· इस उत्सव में महिलाएँ भाग लेती हैं।
घ. थाली को फूलों ···से··· सजाते हैं।

5. सोचकर लिखें—

भारत का राष्ट्रीय पर्व	—	···स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस···
तेलंगाना का राजकीय पर्व	—	···वतुकम्मा एवं बोनालु···
वतुकम्मा में सजाई जानेवाली थाली का नाम	—	···थम्मबलम···
वतुकम्मा में स्त्रियाँ पहनती हैं	—	···पट्टू साड़ियाँ एवं गहने···

6.

याद करके लिखें—

क. वतुकम्मा कैसे बनाते हैं ?

एक पीतल की बड़ी थाली पर बड़ी-बड़ी पत्तियाँ बिछाई जाती हैं। फिर उस पर गनुका, कमल, अल्ली, तन्गेदी, कतला आदि अलग-अलग रंगों के फूलों से पंक्ति दर पंक्ति सजाते हैं।

ख. वतुकम्मा के फूल नदी में बहाने पर प्रदूषण क्यों नहीं होता ?

वतुकम्मा में प्रयोग किए जानेवाले अधिकतर फूल औषधीय गुणों से संपन्न होते हैं इसलिए जब बहुत अधिक मात्रा में इन्हें नदियों में डाला जाता है, तब इनके औषधीय प्रभाव के कारण नदियों तथा जलाशयों का पानी शुद्ध हो जाता है।